पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने सम्मानित किया
अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करना पत्रकारिता का ध्येय होना चाहिए - राज्यपाल

लखनऊ: 02 सितम्बर, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज साईंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में हिन्दी-उर्दू समाचार पत्र अवधनामा के 15वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में डाॅ0 इक़्तदार हूसैन फारूक़ी, श्री विलायत जाफ़री, प्रो0 अब्बास अली मेहदी, डाॅ0 रोशन तक़ी, प्रो0 वसीम अख्तर, डाॅ0 कौसर उस्मान, डाॅ0 असर अब्बास, श्रीमती सुनीता झिंगरन, श्री हैदर नवाब जाफ़री, लामार्टिनियर के छात्र सैय्यद मोहम्मद अयान रिज़वी को 'वकार-ए-अवध' अवार्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर महंत देव्या गिरी, डाॅ0 हसन रज़ा, सुश्री रूबीना जावेद, सैय्यद मुजाहिद हूसैन रिज़वी, हाजी जावेद हूसैन, श्री नुसरत हूसैन लाला, श्री रियाज अहमद, सुश्री शाजिया इमदाद आब्दी, डाॅ0 मालविका हरिओम, सुश्री अनुपमा सिंह, सुश्री मुजना जफ़र, श्री एस0एन0 लाल, श्री मिर्जा फ़ुरकान बेग, श्री असम जमील, श्री अनिल कन्नौजिया, श्री इरशाद सिद्दीकी व श्री आसिफ हूसैन को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

सम्मान समारोह में मंत्री प्रो0 रीता बहूगुणा जोशी, नेता प्रतिपक्ष विधान सभा श्री राम गोविन्द चैधरी, मौलाना सईदुर्रहमान आज़मी, मौलाना हमीदुल हसन, प्रो0 शारिब रूदौलवी, प्रो0 साबरा हबीब, अवधनामा के प्रमुख श्री वकार रिज़वी सहित अन्य विद्वतजन व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अवधनामा के 15 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हूए कहा कि 15 साल के सफर का अपना महत्व होता है। अवधनामा धीरे-धीरे अपनी युवावस्था की ओर बढ़ रहा है। 'मेरा और अवधनामा का एक रिश्ता है। मेरी पुस्तक चरैवेति! चरैवेति!! पर अवधनामा गुरप की ओर से उर्दू रायटर्स फोरम ने एक संगोष्ठी रखी थी। उर्दू और अवधनामा के कारण मेरी पुस्तक सात समंदर पार जर्मनी तक पहूंची है।' उन्होंने कहा कि अवधनामा हिन्दी और उर्दू में समाचार पत्र का प्रकाशन करके दोनों भाषाओं को और करीब लाने का काम कर रहा है।

श्री नाईक ने कहा कि देश के संविधान में उल्लिखित सभी भाषायें देश की अपनी भाषायें हैं। सभी भाषाओं को प्रगति करने का अवसर मिलना चाहिए। वह बात और है कि हिन्दी राष्ट्रभाषा है और सभी भाषाओं की बड़ी बहन है। हिन्दी के बाद सबसे ज्यादा बोली और समझी जाने वाली भाषा उर्दू है जिस पर कोई विवाद नहीं है। भाषाएं एक-दूसरे से जोड़ती हैं। हिन्दी और उर्दू दोनों आपस में बहनें हैं। भारत की विशेषता है कि यहाँ विभिन्न धर्माें के लोग एक-दूसरे के साथ मिलकर त्यौहार मनाते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे त्यौहार एक-दूसरे से जोड़ते हैं उसी तरह सबको मिलकर समाज को एक सूत्र में बांधना होगा। राज्यपाल ने कहा कि 1857 तथा 1947 के संग्राम की पृष्ठभूमि में कुछ लोग संघर्ष करते थे

और कुछ लोग पत्रकारिता के माध्यम से जन जागरण करते थे। लोकमान्य तिलक ने 'केसरी' और 'द मराठा' के माध्यम से अभियान चलाया और इसी प्रकार महात्मा गांधी के साथ-साथ अन्य हिन्दी और उर्दू के पत्रकारों ने इसी भूमिका में काम किया। अपनी बात को लोगों तक ले जाने तथा अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करना पत्रकारिता का ध्येय होना चाहिए। ज्ञानवर्धन और प्रेरणा देने वाली बात पत्रकारिता के महत्व को और बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि देशवासियों को जोड़ने में पत्रकारिता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

महिला कल्याण एवं पर्यटन मंत्री प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि उर्दू भाषा हिन्दी में इतनी घुल-मिल गयी है कि उन्हें कोई अलग नहीं कर सकता। उन्होंने अवधनामा को बधाई देते हुये कहा कि सम्मान समारोह के माध्यम से अवधनामा ने हर क्षेत्र के लोगों को जोड़ा है तथा महिलाओं को भी उचित प्रतिनिधित्व दिया है।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष विधान सभा श्री राम गोविन्द चैधरी, मौलाना सईदुर्रहमान आज़मी, मौलाना हमीदुल हसन ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन अवधनामा के प्रमुख श्री वकार रिज़वी ने दिया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 शारिब रूदौलवी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 अब्बास रज़ा नैय्यर ने किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (338/4)